डी.सी.एम. श्रीराम लि. द्वारा स्वच्छ विद्यालय योजना के तहत प्रथम चरण में जिला प्रशासन को 150 स्कूलों के शौचालय सौंपे

कोटा। डी.सी.एम. श्रीराम लि., कोटा द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत 'श्रीराम स्वच्छग्रह, स्वच्छ विद्यालय योजना' के तहत कोटा जिले के 5 ब्लॉक में लगभग 1072 सरकारी स्कूलों में शौचालयों के जीर्णोद्धार/नव निर्माण का कार्य अपने हाथ में लिया है। जिसके तहत कम्पनी ने सन् 2018-19 में प्रथम चरण में जिले के तहसील लाडपुरा एवं कोटा शहर में 150 स्कूलों में शौचालयों का जीर्णोद्धार/नवीनीकरण पूरा कर लिया है।

इस उपलक्ष में आज दिनांक 06.05.2019 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अरण्डखेड़ा में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कोटा कलेक्टर मुक्तानन्द अग्रवाल आई.ए.एस., मुख्य अतिथि थे। शिक्षा विभाग से जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) गंगाधर मीणा तथा अन्य अधिकारीगण, डी.सी.एम. श्रीराम लि. के

एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एण्ड रेजीडेन्ट हेड प्रेम दास, प्रेसीडेन्ट एण्ड बिजनेस हेड वीनू मेहता व अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा स्कूल के छात्र-छात्राऐं उपस्थित थे।

प्रेम दास व वीनू मेहता ने जिला कलेक्टर को शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा इसके उपरान्त प्रथम चरण में पूर्ण किये गये शौचालयों के सम्बन्ध में अधिकारिक-पत्र सौंपा।

मुक्तानन्द अग्रवाल, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, कोटा ने अपने उद्बोधन में डी.सी.एम. श्रीराम लि. द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के अन्तर्गत शौचालयों के नवनिर्माण तथा जीर्णोद्धार कार्यों के लिये भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा प्रधानाध्यापक एवं जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को यह सुनिश्चित करने के लिये निर्देशित किया कि जिन स्कूलों में शौचालयों का निर्माण हो चुका है उन सभी की देखभाल एवं रख-रखाव सुनिश्चित करें। स्वच्छता के प्रति कम्पनी द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छग्रह कार्यक्रम को भी सराहा।

कार्यक्रम के आरम्भ में स्कूली छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई तथा डी.सी.एम. श्रीराम लि. की ओर से स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिये एक नुक्कड़-नाटक का मंचन भी किया गया। इसके उपरान्त वीनू मेहता ने अपने उद्बोधन में डी.सी.एम. श्रीराम लि. द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छग्रह कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। जिसके अन्तर्गत जिले के सभी 1072 सरकारी स्कूलों (777 प्राथमिक एवं 295 माध्यमिक) में सैनिटेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को नया एवं सुदृढ़ किया जाना प्रस्तावित है। यह प्रोजेक्ट कोटा जिले के सभी सरकारी स्कूलों में आने वाले 3-4 वर्षों में कार्यान्वित किया जायेगा।